RRB ALP & TECHNICIAN 2024 & झारखण्ड पुलिस भर्ती

Pilot Batch (CBT- 1&2)

सेवक बैच

HISTORY

जैन धर्म

PART-02

LIVE 15-02-2024 09:00 AM

महावीर स्वामी : 24वें तीर्थंकर → अन्तिम तीर्थंकर

⇒ जैन धर्म का वास्तविक संस्थापक

जन्म :- 540 ईसा पूर्व → कुण्डग्राम, वैशाली (बिहार)

पिता का नाम :- सिद्धार्थ (वज्जि संघ, कुण्डग्राम में ज्ञातृक कुल, क्षत्रिय प्रधान थे)

माता का नाम : → त्रिशला (लिच्छवी शासक चेटक की बहन)

⇒ बचपन का नाम : वर्द्धमान

⇒ पत्नी का नाम :- यशोधा (कुण्डिनय गोत्र के राजा समरवती की पुत्री)

पुत्री :- प्रियदर्शिनी

दामाद :- जामालि (प्रथम विरोधि थे)

⇒ गृहत्याग :- 30 वर्ष की अवस्था में बड़े भाई नंदिवर्धन की आज्ञा से

ज्ञान प्राप्ति :- 12 वर्ष की कठिन तपस्या के बाद जृम्भिक ग्राम में ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे

⇒ प्रथम शिष्य :- जामालि (दामाद)

प्रथम उपदेश :- राजगृह में विपुलांचल पहाड़ि पर खड़े होकर नदी के तट पर

→ भाषा → प्राकृत भाषा

⇒ ज्ञानप्राप्ति के बाद महावीर स्वामी : जिन (विजेता) अर्हत (पूज्य) निर्ग्रन्थ (बंधनरहित)

⇒ महावीर स्वामी के अनुयायियों को निर्ग्रंथ कहा जाता है कहलाए।

⇒ प्रथम जैन भिक्षुणी :- चम्पा

⇒ जीवन का अंत :- 72 वर्ष की अवस्था में 468 ईसा पूर्व पावापुरी (राजगृह) बिहार

⇒ महावीर स्वामी ने अपने शिष्यो को 11 गणधरो में विभाजित किया था।

⇒ जैन धर्म

- श्वेताम्बर :- (सफेद वस्त्र धारण करने वाले) → स्थूलभद्र
- दिगंबर :- (नग्न अवस्था में रहने वाले) → भद्रबाहु

जैन संगितियां :-

प्रथम :- 300 ईसा पूर्व — पाटलिपुत्र → अध्यक्ष → स्थूलभद्र

द्वितीय :- 512 ई → वल्लभी (गुजरात) — " → क्षमा श्रवण

⇒ जैन धर्म में आध्यात्मिक विचारो को सांख्य दर्शन से ग्रहण किया गया है।

⇒ अणुव्रत सिद्धांत जैन धर्म से संबंधित है।

⇒ निर्जरा: जैन धर्म में कर्म परमाणुओ के पूर्ण विनाश को

→ संवर :- जीव की ओर नए कर्म का प्रवाह रुक जाना

→ जैन ग्रंथ कल्पसूत्र का रचियता :- भद्रबाहु